शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

Email Id: *shodhmanthaneditor@gmail.com*

सम्पादकीय समिति

प्रो0 श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख, दर्शनशास्त्र, ए पी एस विश्वविद्यालय, रेवा,

डॉ0 विशेष गुप्ता, सेवानिवित प्रो0, एम0एच0पी0जी0 कॉलिज, मुरादाबाद. *guptavishesh56@gmail.com*

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर *satyveer171@gmail.com*

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर. *vinod_kalra66@yahoo.com*

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी, *ngelanamika22@gmail.com*

डॉ0 पूजा खन्ना, असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद, *mailme.pujakapoor@rediffmail.com*

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0ए सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा, *kamnacmk78@gmail.com*

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस, *kdramjatton@yahoo.com*

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

In India	Rs. 600.00 प्रति अंक	Rs. 2400.00 वार्षिक
Out of India	$ 60.00 प्रति अंक	$ 250.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 7.760 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XII No. I **Jan. - Mar. 2021**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

1 जयशंकर प्रसाद के उपन्यासों के वस्तु विधायन में प्रगतिकामी दृष्टि
डॉ0 कल्पना माहेश्वरी 1

2. ध्रुपद एक गायकी
डॉ0 स्वाति शर्मा 12

3. मानसिक एवं बौद्धिक रुप से पिछड़े बालक – एक शोध
डॉ० सुमन शर्मा 17

4. गुरू नानकदेव जी का सामाजिक चिन्तन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता
डॉ0 अमरजीत सिंह 'परिहार', सुनीता, डॉ0 एम0 के0 त्यागी 24

5. गोरखपुर मण्डल उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग का विकास, सममस्याएं एवं सम्भावनाएं
डॉ0 विजय कुमार 30

6. मध्य हिमालयी रंग्पा जनजातीय महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक परिवेश
डॉ0 निरंजना शर्मा 37

7. भारतीय समाज का संकट और मुक्ति के रास्ते
डॉ0 माईकल 46

8. हिंदी–ग़ज़ल का कलापक्ष
डॉ. पूनम अग्रवाल 54

9. श्रीलंका का कूत्तु जन नाटक में कम्ब रामायण का प्रभाव
डॉ0 डब्लू. एम. अमिला दमयन्ति 61

10. जनपद फर्रूखाबाद के ग्रामीण क्षेत्र में कृषि विकास स्तर की भौगोलिक विवेचना
महेन्द्र कुमार 69
11. मानव स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद
डॉ0 पूनम लखनपाल 78
12. परिवर्तनशील समाज में उपेक्षित वृद्धजनः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
डॉ0 अंचल गुप्ता, स्वाति सक्सेना 85
13. कला और संगीत
डॉ0 किरन शर्मा 90
14. सहकारी बैंकों में अतिदेय के उत्तरदायी तत्व एवं सुझाव
डॉ0 रूचि रानी, डॉ0 भूदेव सिंह 96
15. जनपद बिजनौर में रोजगार की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन
डॉ0 वन्दना राजपूत, डॉ0 एस.के. राजपूत 101
16. हिन्दी भक्ति काव्य में सांसारिक बंधन और उनसे मुक्ति के निर्दिष्ट उपायः
डॉ. वजिरा गुणसेन 108
17. संगीतः एक योग क्रिया
सरिता 115
18. संगीत में कलाकार व श्रोता की भूमिका
रूकैय्या 119
19. कौशल विकास पर नगरीयवृद्धिकरण का प्रभाव
डॉ0 अपर्णा तिवारी 122
20. निचले राप्ती बेसिन के बाढ़ मैदान में बाढ़ जोखिम का आकलनः एक भौगोलिक विश्लेषण
मंजेश कुमार 127
21. भारतीय दर्शनों में कर्म का स्वरूप/कर्मसिद्धान्त
डॉ0 रूचिका जैन 133
22. जम्मू कश्मीर पुनर्गठन विधयक, 2019ः जम्मू कश्मीर समस्या का एक सशक्त प्रयास
पुष्पा कुमारी 140
23. कोविद १६ काल में लोगो के जन जीवन पर क्या हुआ असर
श्रीमती सोनल उमेश पाटिल 149